



SHRI NADOJA PINDIPAPANAHALLI MUNIVENKATAPPA

Shri Nadoja Pindipapanahalli Munivenkatappa is a famous Artist of Tamate Folk Instrument.

2. Born on 2nd June, 1947, Shri Munivenkatappa has been playing the hand drum, with its roots in the Old Mysuru Region. He started his performances at the age of 17 after learning the skill from his father and continues to perform till date. The 75-year-old known as the 'Tamate' (hand drum) master, resides in a remote village named Pindipapanahalli and plays the instrument with his co-artistes even today.

3. The turning point in the life of Shri Munivenkatappa came when Shri H.L. Nage Gowda, a Kannada folklorist, noticed him performing at a temple fair at Devaramallur village in Sidlaghatta taluk. Shri Gowda felt the artist deserved a wider audience. Since then till now he has presented in thousands of programs of Department of Kannada and Culture, Government of Karnataka apart from many private programs. Not only in festivals, he has given many programs in Mysore Dussehra every year, National Sports Event conducted by the Department, District Festivals and also in some parts of Andhra Pradesh, Telangana and Tamil Nadu, Mumbai, Karnataka Sangha, Delhi Karnataka Sangha, as the head of a team of 15 people.

4. In the year 1992, Government of Karnataka organized a program abroad in Japan, 2014, AKKA Sammelanna, America and also in the year 2015, Navika Kannada Sammelana, America through the Department of Kannada and Culture to showcase Karnataka art which brought glory to the entire state. The team under him participated in these programmes. The Government declared the team as Best Art team for the State by imparting this art to thousands of people in Kolar and Chikkaballapura district.

5. Shri Munivenkatappa is the recipient of numerous awards and honours. He has been conferred honorary Nadoja from Hampi University. The Government of Karnataka honoured him with the State Award in 1992. Also, several self-organizations have honoured with many awards and certificates.



श्री नाडोजा पिंडिपापनहल्ली मुनिवेंकटप्पा

श्री नाडोजा पिंडिपापनहल्ली मुनिवेंकटप्पा तमाते लोक वाद्य के प्रसिद्ध कलाकार हैं।

2. 2 जून 1947 को जन्मे, श्री मुनिवेंकटप्पा हैंड ड्रम बजाते हैं, जिसकी जड़ें पुराने मैसूर क्षेत्र से जुड़ी हैं। उन्होंने अपने पिता से यह कला सीखने के बाद 17 साल की उम्र में प्रस्तुति देनी शुरू की और अभी भी अपनी कला का प्रदर्शन करते रहते हैं। 'तमाते' (हैंड ड्रम) मास्टर के रूप में प्रसिद्ध 75 वर्षीय मुनिवेंकटप्पा, पिंडिपापनहल्ली नामक एक सुदूर गांव में रहते हैं और आज भी अपने साथी कलाकारों के साथ यह वाद्य यंत्र बजाते हैं।
3. श्री मुनिवेंकटप्पा के जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब एक कन्नड़ लोक गीतकार श्री एच.एल.नागे गौड़ा ने उन्हें सिडलगट्टातालुक के देवरामल्लूर गांव के एक मंदिर में लगे मेले में कार्यक्रम करते देखा। श्री गौड़ा ने महसूस किया कि इस कलाकार को ज्यादा दर्शकों के सामने प्रदर्शन करना चाहिए। तब से लेकर अब तक उन्होंने कई निजी कार्यक्रमों के अलावा कर्नाटक सरकार के कन्नड़ और संस्कृति विभाग के हजारों कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी है। सिर्फ त्योहारों में ही नहीं, उन्होंने 15 लोगों की टीम के प्रमुख के रूप में हर साल मैसूर दशहरा, विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेल समारोह, जिला उत्सवों और साथ ही आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के कुछ हिस्सों और तमिलनाडु, मुंबई, कर्नाटक संघ, दिल्ली कर्नाटक संघ में भी कई कार्यक्रम किए हैं।
4. वर्ष 1992 में, कर्नाटक सरकार ने कन्नड़ और संस्कृति विभाग के माध्यम से कर्नाटक कला का प्रदर्शन करने के लिए जापान, 2014, अक्का सम्मेलन, अमेरिका और वर्ष 2015 में नविका कन्नड़ सम्मेलन, अमेरिका में कार्यक्रम आयोजित किए, जिसने पूरे राज्य को गौरवान्वित किया। उनके अधीन टीम ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया। सरकार ने कोलार और चिक्काबल्लापुरा जिले में हजारों लोगों को यह कला प्रदान करने के लिए इस टीम को राज्य की सर्वश्रेष्ठ कला टीम घोषित किया।
5. श्री मुनिवेंकटप्पा को अनेक पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं। उन्हें हम्पी विश्वविद्यालय से मानद नाडोजा से सम्मानित किया गया है। कर्नाटक सरकार ने 1992 में उन्हें राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया। साथ ही कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने उन्हें कई पुरस्कारों और प्रमाणपत्रों से सम्मानित किया है।